भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 815

दिनांक 04.02.2026 को उत्तर देने के लिए

आकांक्षी जिलों/ब्लॉकों संबंधी कार्यक्रम की समीक्षा

815. **श्री जी. एम. हरीश बालयोगी:**

क्या **योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आकांक्षी जिलों एवं ब्लॉक कार्यक्रमों के अंतर्गत चिह्नित जिलों एवं ब्लॉकों द्वारा इस कार्यक्रम के प्रारंभ से अब तक की गई प्रगति का आकलन करने के लिए कोई समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यह निर्धारण करने हेतु क्या मानदंड एवं मापदंड अपनाए गए हैं कि किसी जिले/ब्लॉक द्वारा संबंधित कार्यक्रम से बाहर निकलने के लिए विकास से संबंधित आवश्यक मानकों को प्राप्त कर लिया गया है;

(ग) क्या अब तक किसी जिले/ब्लॉक को उक्त कार्यक्रम से ग्रेजुएशन/निकास के मानदंडों को पूरा करने वाला घोषित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों की मौजूदा सूची को संशोधित/विस्तारित करने की योजना बना रही है ताकि उसमें नवनिर्मित जिलों या अन्य पिछड़े क्षेत्रों को शामिल किया जा सके, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना की प्रस्तावित समय-सीमा क्या है; और

(ङ) क्या विकास संबधी परिणामों के आधार पर गतिशील समावेशन और निकास सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रमों के अंतर्गत जिलों और ब्लॉकों की आवधिक समीक्षा, पुनर्वर्गीकरण और क्रमावर्तन के लिए कोई तंत्र स्थापित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) के कामकाज और प्रभाव का दो स्वतंत्र आकलन किया गया है।

(i) यूएनडीपी ने इस कार्यक्रम का समग्र मूल्यांकन किया है।
(ii) प्रतिस्पर्धात्मकता आकलन संस्थान (हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के प्रो. माइकल पोर्टर के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम) ने कार्यक्रम का विस्तृत मूल्यांकन किया।

दिसंबर 2020 में प्रस्तुत यूएनडीपी की रिपोर्ट "आकांक्षी जिला कार्यक्रम: एक आकलन" ने पुष्टि की कि विभिन्न पहलुओं जैसे क्षेत्रवार विकास, अभिसरण के माध्यम से बेहतर शासन और प्रतिस्पर्धी संघवाद के माध्यम से त्वरित विकास में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। यह प्रगति मजबूत नेतृत्व, तत्क्षण निगरानी, डेटा-संचालित निर्णय लेने और क्षमता निर्माण जैसे कारकों से प्रेरित है। इसके अलावा, प्रतिस्पर्धात्मकता संस्थान ने इस बात को स्पष्ट किया है कि एडीपी के लगभग सभी जिलों ने बेसलाइन की तुलना में प्रमुख विकास मापदंडों पर सुधार दिखाया है। इस कार्यक्रम ने सर्वाधिक वंचित क्षेत्रों के लिए लाभों को लक्षित करके सामाजिक प्रभाव और न्याय को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया है। डेल्टा रैंकिंग प्रणाली ने एक प्रतिस्पर्धी और गतिशील संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने पिछले तीन वर्षों में कई कम प्रदर्शन करने वाले जिलों को अपनी परिस्थिति को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया है।

(ख) एवं (ग) आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) का उद्देश्य इन जिलों और ब्लॉकों में समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम के तहत सभी विषयों में सभी प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) (एडीपी में 49 और एबीपी में 40) को पूरा करना है।

अब तक की स्थिति के अनुसार किसी जिले/ब्लॉक को संबंधित कार्यक्रम से बाहर निकलने या छोड़ने हेतु कोई मानदंड और मापदंड नहीं हैं।

(घ) वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ङ) आकांक्षी जिलों/ब्लॉकों के प्रदर्शन की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है, और उन्हें निश्चित संकेतकों पर की गई प्रगति के आधार पर रैंक किया जाता है; हालांकि, कार्यक्रमों के तहत जिलों और ब्लॉकों के आवधिक पुनर्वर्गीकरण और क्रमावर्तन के लिए ऐसा कोई तंत्र नहीं है।

*****